बाप आया निमंत्रण पर कुम्भी पाक नर्क से निकालने
हमें खुशी रहती हम ही नयी दुनिया स्वर्ग की करते कारीगिरी
बाप जो सुनाते उसे अच्छी रीति सुन फिर उगारना
दुनियावी बातों में समय नही गंवाना
बाप की याद में आँखे खुली रखना
अच्छी रीति पढ़ाई करना
ज्ञान सुनना और उसका स्वरुप बनना
जहाँ होता समर्थ वहां व्यर्थ नही हो सकता
जैसे प्रकाश और अंधियारा नही होता साथ
संकल्प रूपी बीज को समर्थ बनाना
सूर्य वंश में जाना तो योगी बनो, योद्धे नही

मेरा बाबा
ॐ शांति!!!